

D.E.L.ED. FIRST YEAR EXAMINATION

The first year examination for the students of D.El.Ed. 2018-20 batch was conducted by Bihar School Examination Board (BSEB) from 3rd to 10th September 2019. This is the first time BSEB has conducted an external examination for first year students. Previously only final year examinations were conducted by the Board. 27 students from our college wrote these exams.

SCHOOL INTERNSHIP

Our students will proceed for their School Internship programme from 11th October 2019. First year students of B.Ed and D.El.Ed will go to their designated schools for 4 weeks of Teaching Observation, whereas the second year students of both the courses will remain in their schools for 16 weeks for Practice Teaching. The students who have been divided into five groups will go to five different middle and high schools in the vicinity, each led by one of our faculty member who will remain with them as their mentor during the Internship.

TEACHER'S DAY CELEBRATION

The teachers' day celebration was organised by the students on 5th of September to show their gratitude towards their teachers. The students were enthusiastic and excited as they celebrated each of their teachers. A talent show by the students was followed by the students presenting the teaching and the non-teaching staff with token gifts.



Cake cutting ceremony on Teachers' Day



Trustee members paying tribute to our Founder

SPECIAL HOUR CELEBRATION

Hindi Diwas was celebrated on 14th September 2019. A 'kavi sammellan' ('poet conference') was organised on this occasion by the students. Kunajan, Priska, Vishal, Anjana, Anju from 2nd-Y B.Ed., Rubab, Arpita, Ankur and Anjali from 1st-Y B.Ed., and Bushra & Shruti from D.El.Ed recited poems.

World literacy Day which is also our Founders Day was observed on 7th September. Our chairman, Shri Ranjit Sinha paid tribute to our founder Late Smt. Saroj Agarwal, and spoke of her inspiring life, her wisdom and generosity. On this occasion, a short documentary on integration of princely states into independent India was screened as part of a general appreciation program of educating students on India's yet-primarily-silent history.

STUDENT'S ARENA

शिक्षा

आओ बच्चों हाथ मिलाएं
शिक्षा का अभियान चलाए
भारत के कोने कोने में
अमलतास का नाम बढ़ाएं
आओ बच्चों2

सबको हमें समझाना है
शिक्षा की अलख जगाना है
बूढ़े, बच्चे हो या जवान
सबको साक्षर बनाना है
आओ बच्चों2

साक्षरता है एक रौशनदान
नहीं कर सकता कोई अपमान
इसके बल पर ही बनते हैं
डॉक्टर इंजीनियर वैज्ञानिक महान
अच्छी शिक्षा अच्छा ज्ञान
ऊँची शोहरत मान सम्मान
ठाठ बाठ जीवन का ज्ञान
शिक्षा से है इसका निदान
आओ बच्चों.....2

ज्योति कुमारी - बी एड (2019 -21)

अमलतास कॉलेज ऑफ एजुकेशन में मेरा अनुभव

एक जुलाई 2019 समय प्रातः 9:20, जब मैं अमलतास कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आई तो मेरा स्वागत अनुपमा मैम द्वारा किया गया। उसके बाद मुझे लाइब्रेरी में भेजा गया जहाँ पर हमें एक पेपर दिया गया जिस पर हमें अपने विचार लिखने थे। उसके बाद हमें सेमिनार हॉल में बुलाया गया। वहाँ पर प्रिंसिपल सर, रत्ना मैम, रणजीत सिन्हा सर और बाकी सभी शिक्षक गण मौजूद थे। उन्होंने अपना- अपना परिचय दिया और अमलतास कॉलेज ऑफ एजुकेशन के बारे में हमें बताया। पहला दिन जब मैं अमलतास कॉलेज में आई तो हमें बहुत अच्छा लगा। दूसरे दिन भी आने के लिए मन किया फिर सभी शिक्षकों से परिचय हुआ और सिलेबस समझाया गया।

जब मेरा नामांकन बी एड प्रथम वर्ष के लिए हुआ था तब मैं सोच रही थी कि मैं पढ़ने के लिए कॉलेज प्रतिदिन नहीं आऊँगी। पर जिस दिन मेरा नामांकन हुआ तो मैं बोली कि सर डेली क्लास करना जरूरी है क्या? तब प्रिंसिपल सर ने कहा कि बताओ बेटा जब तुम कुछ नहीं पढ़ोगी तो बच्चों को क्या पढ़ाओगी? जब तुम्हारी नौकरी किसी विद्यालय में लगेगी तो तुम वहाँ जाओगी, बच्चों को पढ़ाओगी तो बच्चे बोलेंगे कि मैडम जी को कुछ नहीं आता तब तुम्हारे मन को ठेस पहुँचेगी। सर की यह बात मुझे बहुत अच्छी लगी और मैंने निश्चय किया कि मैं कॉलेज प्रतिदिन आऊँगी। तब से आज तक मैं निरंतर कॉलेज आ रही हूँ और आगे भी मेरा यह क्रम जारी रहने वाला है। धन्यवाद!!!

अंकिता कुमारी - बी एड (2019 -21)

आज मेरा कॉलेज आने का मन नहीं था, मैं फिर भी आयी और आने के बाद पता चला कि आज स्पेशल ऑवर होने वाला है। मैंने सोचा स्पेशल ऑवर में क्या होगा आज तो कोई खास दिन भी नहीं है। जब स्पेशल ऑवर का समय आया तो हमलोग क्लास में गये तभी महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री रणजीत सिन्हा सर आये। हम लोगो ने उनका स्वागत किया और फिर सर बोले की स्पेशल ऑवर में हम समाज शास्त्र के बारे में जानेंगे। फिर एक सवाल किये कि हमारे देश भारत का इतिहास क्या है? वह जो हम किताब में पढ़ते हैं या वह जो हमें किताब में नहीं मिला। फिर सब विद्यार्थी सोचने लगे आखिर क्या है इतिहास? थोड़ी देर में रणजीत सर ने प्रोजेक्टर के माध्यम से देश के इतिहास के बारे में बताया मुझे इतिहास पहले अच्छा नहीं लगता था, लेकिन यह देखने के बाद काफी बदलाव आया और काफी रुचिपूर्ण भी लगा। फिर मैंने सोचा कि आज तो मैं कॉलेज नहीं आने वाली थी, अगर नहीं आती तो कितना इम्पोर्टेंट नॉलेज छूट जाता। अतः मैंने आज सीख प्राप्त की कि कॉलेज रोज आना कितना जरूरी है।

- अंजली कुमारी - बी एड (2019 -21)

